



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 383]  
No. 383]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 28, 1989/आषाढ 7, 1911  
NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 28, 1989/ASADHA 7, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

उच्चोग मंत्रालय

(फल्मनी कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 जून, 1989

का० आ० 491 (अ).—केन्द्रीय सरकार, एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवस्था नियम, 1970 के नियम 45 के उपनियम (5) द्वारा प्रवस शर्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के उच्चोग मंत्रालय के फल्मनी कार्य विभाग की अधिसूचना संख्या का० आ० 80 (अ) तारीख 3 मार्च, 1986 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना की अनुसूचि में अम संख्या 43 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् मिम्नलिखित अम संख्या और प्रविष्टियों प्रत्यस्थापित की जाएंगी, अर्थात्:—

“44. सेटेलाइट

संसूचना  
उपस्थिति

45. एकेत माल

उपस्थिति

भू सेटेलाइट पृथ्वी स्टेशन वर्मिनल और

उसके भाग

(1) घरेलू प्रशीतिल

(2) अति हिमीदंहरणीय

(3) धुलाई की मशीन (कार्यकर्तीय दाहग)

(4) पाल धाविक

(5) तिर्हति मार्जक

टिप्पण: (1) जहां तक घरेलू प्रशीतिल का संबंध है, पाल लाख संख्याओं का न्यूनतम आधिक आकार (एम ई एस) बना रहेगा जैसा वह इस समय विद्यमान है। विस्तृत बैंड वाले समूह

की एक साथसी गई सभी अन्य घार मवों के लिए दो साल संख्याओं का मिश्रित न्यूनतम आर्थिक घारकार होगा।

(2) "(गौणोगिक से भिन्न) वातानुकूलन और प्रशीतन के लिए एक विधिमान विस्तृत बैंड स्कोम है जिसके प्रत्यर्गत घरेलू प्रशीतिक, घरेलू वातानुकूलन, कार वातानुकूलन, हल्के वाणिजिक यानों के लिए वातानुकूलन, जलीय शोतल यंत्र, पेय शोतल यंत्र और अति हिमोय करणीय भांति हैं। यह स्कोम और "खेत माल" के लिए इस अधिसूचना के अधीन आवश्यकित की गई विस्तृत बैंड स्कोम और परस्पर अन्नन हैं: दूसरे शब्दों में किसी कम्पनी को दो समूहों में से एक के अधीन विस्तृत बैंड का व्यवहार करना होगा, वो को मिश्रित नहीं किया जा सकता है। यदि कोई कम्पनी विस्तृत बैंड समूह के बाहर किसी अतिरिक्त मद का, जिसका उसने व्यवहार किया है, निनिर्णय करने में हितबद्ध है, तो कम्पनी को सरकार का पूर्णानुमोदन प्राप्त करने के लिए एकाधिकार तथा अवरोधक वाणिजिक व्यापार अधिनियम की धारा 22 के अधीन आवेदन भेजना चाहिए।

[फा० सं० 5/25/89—एम० आई०]

एल० सी० गोपन, उप सचिव

टिप्पण: मूल अधिसूचना सं. का. आ. 80 (अ) भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) में 3-3-1986 को प्रकाशित की गई थी और तत्पश्चात् उसका निम्नलिखित अधिसूचना संख्याओं द्वारा संशोधन किया गया:—

- (1) का. आ. 919(अ) तारीख 16-12-1986
- (2) का. आ. 300(अ) तारीख 2-4-1987
- (3) का. आ. 1006(अ) तारीख 1-11-1988
- (4) का. आ. 1204(अ) तारीख 27-12-1988
- (5) का. आ. 140(अ) तारीख 20-2-1989

## MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Company Affairs)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 28th June, 1989

S.O. 491(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (5) of rule 4A of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Rules, 1970, the Central Government hereby makes the following amendments to the Notification of Government of India in the Ministry of Industry, Department of Company Affairs, No. S.O. 80(E) dated 3rd March, 1986, namely :—

In the Schedule to the said notification, after serial number 43 and the entries relating thereto, the following serial numbers and the entries shall be inserted, namely :—

"44. Satellite communication equipments.

Ground satellite earth station terminals and parts thereof.

### 45. White Goods

(i) Domestic refrigerators.

(ii) Deep freezers.

(iii) Washing machines (Programmable type).

(iv) Dish washers.

(v) Vacuum cleaners.

Note.—(1) So far as domestic refrigerator alone is concerned the minimum economic size (MES) of 5 lakhs numbers will continue as it exists now. For all the other four items of the broad banded group taken together, there will be a combined minimum economic size (MES) of 2 lakh numbers.

(2) There is an existing broad banding scheme for "Air Conditioning and Refrigeration (other than industrial which covers domestic refrigerators, domestic air-conditioners, car air conditioners, air-conditioners for light vehicles, water coolers, beverage coolers and deep freezers. This scheme and the broad banding scheme announced under this notification for "White goods" are mutually exclusive: in other words, a company will have to choose broad banding under one of the two groups and the two cannot be combined. In case a company is interested in taking up the manufacture of any extra

item any side the broad banded group that it has chosen, the company should submit a regular application under Section 22 of the MRTP Act, 1969 for seeking prior approval of the Central Government.

[F. No. 5/25/89-M.I.]

L. C. GOYAL, Dy. Secy.

NOTE.—The principal notification No. S.O. 80-(E) was published in part II, Section 3, sub-section

(ii) of the Gazette of India Extraordinary on 3rd March, 1986, as subsequently amended by notifications Nos. :—

- (i) S.O. 919(E) dated 16-12-1986
- (ii) S.O. 300(E) dated 2-4-1987
- (iii) S.O. 1006(E) dated 1-11-1988
- (iv) S.O. 1204(E) dated 27-12-1988
- (v) S.O. 140(E) dated 20-2-1989

